विद्या भवन गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय, उदयपुर

न्यूज़ लेटर

अगस्त से दिसंबर, 2023

प्राचार्य की कलम से :

विद्या भवन गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय परिवार की ओर से पाठकों को नववर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं। महाविद्यालय अपनी गतिविधियों का प्रचार–प्रसार, सुझाव एवं सहयोग के लिए सदैव महाविद्यालय न्यूज लेटर के रूप में अपना प्रकाशन करता आया है। इसी कड़ी में यह मासिक पत्रिका के रूप में एक ओर कदम है। महाविद्यालय की प्रत्येक गतिविधि इस प्रकार से संचालित की जाती है कि वे समाज के लिए मानवीय गुणों से अभिभूत, अभिप्रेरित शिक्षक तैयार कर सके जिसका काम मात्र विषयवस्तु सिखाना नहीं है, बल्कि सीखने की ललक पैदा करना है। वे अपने विद्यार्थियों में यकीन पैदा कर सके कि उनमें भी सलाहियत है। वे भी आसमान की बुलंदियों को छू सकते हैं। उन्हें यकीन इस बात पर होगा कि वे मेहनत और कोशिश करेंगे तो कुदरत उस पर राज़ी हो जाएगी। कुदरत उसके लिए रास्ता बनाने लगेगी। वे जिन्दगी का मकसद हासिल कर सकेंगे। इसलिए महाविद्यालय अपने भावी अध्यापकों को कक्षा–कक्ष के अंदर तथा महाविद्यालय के बाहर सभी तरह के अनुभवों से सीखने का अवसर देता है। जिससे वह अपने आपको और अपने चारों ओर के पर्यावरण को समझा कर अपनी भूमिका को स्वयं तय करने में सशक्त बन सके।

एक उड़ते हुए गुब्बारे पर क्या खूब लिखा था 'जो बाहर है वो नहीं, पर जो भीतर है वही आपको ऊपर ले जाता है।'

–फरज़ाना

संपादन

सलाहकार – जितेंद्र तायलिया, अनुराग प्रियदर्शी

प्राचार्य – फरज़ाना ईरफान

संपादक – गिरीश शर्मा

प्रूफ रिडिंग – जगदीश चंद्र आमेटा

ले–आउट, डिजाईनिंग – चिराग धुप्या

विद्या भवन गोविन्दराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय,
डॉ. मोहनसिंह मेहता मार्ग, देवाली उदयपुर, राजस्थान

ई–मेल vbcteudr@gmail.com, 0294–2451814

Website-www.vidyabhawan.in

हार्टफुलनेस के साथ एमओयू

दिनांक, 4 अगस्त 2023 । हार्टफुलनेस मेडिटेशन संस्थान एवं विद्या भवन गो.से. शिक्षक महाविद्यालय की ओर से विद्यार्थियों, स्टाफ के लिए व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। हार्टफुलनेस संस्थान की ओर से डॉ. राकेश दशोरा, केन्द्र समन्वयक एवं शिक्षक महाविद्यालय की ओर से डॉ. फरजाना इरफान ने हस्ताक्षर किए। इसके तहत स्टाफ प्रशिक्षण, वेलनेस एट वर्क प्लेस की तीन दिवसीय कार्यशाला, फैकल्टी प्रशिक्षण, लीडरशिप आदि कार्यक्रम होंगे। 16 सप्ताह के कार्यक्रम में लाईफ स्कील भी सिखाई जाएगी। डॉ. राकेश दशोरा ने हार्डफुलनेस केंपस प्रोग्राम की जानकारी दी। कार्यक्रम में केन्द्र की जोन समन्वयक मधु शर्मा एवं महाविद्यालय के संकाय सदस्य उपस्थित थे।

पानी की गुणवत्ता जांच प्रशिक्षण

दिनांक, 3 अगस्त 2023। महाविद्यालय के भूगोल सोसायटी के विद्यार्थी पानी की गुणवत्ता की जांच के प्रशिक्षण के लिए विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज गए। वहां उन्होंने रसायन शास्त्र विभाग में जलतारा किट के माध्यम से पानी की गुणवत्ता की जांच का प्रशिक्षण लिया। ये विद्यार्थी यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर और किट लेकर महाविद्यालय की ओर से आयोजित वनशाला शिविर गए जहां उन्होंने वनशाला स्थल सोनाणा खेतलाजी में विभिन्न जलकेन्द्र से पानी के नमूने एकत्र कर पानी की गुणवत्ता की जांच की और रिपोर्ट बना कर प्रस्तुत की और स्थानीय निवासियों को जागरूक किया।

सोनाणा खेतलाजी में लगा वनशाला शिविर

दिनांक, 8 अगस्त, 2023। महाविद्यालय का वनशाला शिविर पवित्र तीर्थ श्री सोनाणा खेतलाजी, पाली में लगा। शिविर बी.एड. एवं एम. एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के सहित समस्त शैक्षणिक स्टाफ एवं कार्यालय, स्टाफ एवं कुछ सहायक कर्मचारियों ने भाग लिया। शिविर के लिए विषयवार समूह बनाए गए और दो–दो संकाय सदस्यों को जोड़ा गया। छात्र प्रतिनिधियों गठन कर शिविर की समस्त गतिविधियां की जिम्मेदारी समूहवार सौंपी गई। एक सप्ताह के अभिमुखीकरण में विद्यार्थियों को वनशाला शिविर की अवधारणा, दर्शन, उद्देश्य प्रमुख गतिविधियों, अध्ययन कार्य एवं शिविर की प्रबन्धकीय व्यवस्था से अवगत करवाया। रात्रि में सांस्कृति कार्यक्रम सुबह योग व्यायाम एवं प्रार्थना हुई। दोपहर में अध्ययन के तहत छात्राध्यापकों ने स्थानीय निवासियों से दत्त संकलन किए। छात्राध्यापकों ने सामुदायिक कार्य के अन्तर्गत स्थानीय निवासियों को अनुपयोगी सामग्री से उपयोगी वस्तुओं का निर्माण करना भी सिखाया। शाम को अध्ययन कार्य एवं आंकड़ों का सारणीकरण किया। शाम को खेल भी हुए। मौन वेला शिविर स्थल के पास ही स्थित पहाड़ पर बने मंदिर के बाहर शांत एवं प्राकृतिक वातावरण में सूर्यास्त को देखा। अंतिम दिवस ई–प्रदर्शनी में प्रत्येक परिषद् के अध्यक्ष ने शिविर के दौरान परिषद् द्वारा किये गए कार्यों विश्लेषण एवं निष्कर्ष प्रस्तुत किया। विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय एस. मेहता एवं मुख्य संचालक अनुराग प्रियदर्शी ने शिविर का अवलोकन किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी

दिनांक 13 अगस्त, 2023। महाविद्यालय के चार संकाय सदस्यों ने मोहाली में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा अपना पर्चा पढ़ा। संगोष्ठी अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय और आइसर, मोहाली द्वारा आयोजित की गई। डॉ. जेहरा बानू ने 'दो वर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम में संचालित ड्रामा और कला विषय की वस्तुस्थिति और हित धारकों की उसके प्रति अभिमत का अध्ययन' विषय पर, डॉ. फरजाना एवं डॉ. अख्तर बानू ने 'राजकीय विद्यालयों के अभिधारकों का खेलों के प्रति अभिमत' तथा डॉ. गिरीश शर्मा एवं उषा पानेरी ने 'विद्यालयी शिक्षा में कला एवं शारीरिक शिक्षा' विषय पर पर्चा लिखा एवं संगोष्ठी में प्रस्तुत किया।

स्वतंत्रता दिवस मनाया

दिनांक 15 अगस्त, 2023। महाविद्यालय स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। मुख्य अतिथि आदित्य ग्रुप के सीईओ एवं संस्थापक मनीष गोधा थे। अध्यक्षता अजय एस. मेहता ने की।

आईक्यूएसी पर वार्ता

दिनांक, 19 अगस्त, 2023। महाविद्यालय में आईक्यूएसी विषय पर जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रो. रचना राठौड़ ने वार्ता दी। उन्होंने कहा कि

प्रत्येक कार्य में गुणवत्ता आवश्यक है साथ ही उस गुणवत्ता को बनाए रखना एवं उसका संरक्षण करना और अधिक महत्त्वपूर्ण होता है। नेक की तैयारी के लिए इसकी भूमिका पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए। इस सेल का कार्य तीन प्रमुख बिन्दुओं के ईर्द–गिर्द घूमता है– पहला संकाय सदस्य दूसरा, विद्यार्थी तथा तीसरा सीखने की प्रक्रिया। इसके लिए आईक्यूएसी की टीम को गुणवत्तापूर्ण कार्यक्रमों के आयोजन पर फोकस करना होगा। यह टीम सभी विभागों के साथ नियमित बैठकें आयोजित करें, प्रत्येक विभाग के कार्यों के मानक सूचक तय करें, उस आधार पर वर्णित लक्ष्य एवं योजना बनाई जाए एवं योजना के अनुसार क्रियान्वयन किया जाए। साथ ही प्रत्येक कार्य की समाप्ति पर रिव्यू बैठक एवं फिडबैक आवश्यक है। शिक्षा के क्षेत्र में व्यक्तिगत विकास, प्रसार गतिविधियां, अनुशासन नियमितता, संवेदनशीलता आदि पर ध्यान दिया जाना चाहिए। भौतिक संसाधनों के साथ मानवीय संसाधनों जिसमें शैक्षिक एवं सहशैक्षिक स्टाफ का अंतर्संबंध होना भी आवश्यक है। उन्होंने वार्षिक कलेण्डर, समय सारणी, वेबसाईड अपडेट, फैकल्टी का अकादमिक विकास आदि विषयों पर जोर देने की बात की।

शिक्षा क्या और क्यों? विषय पर वेबिनार

दिनांक, 19 अगस्त। शिक्षा क्या और क्यों? विषय पर आयोजित वेबिनार में मनोज कुमार की सी. एन. सुब्रमण्यम से बातचीत हुई। यह बातचीत हिन्दी में हुई। चर्चा में शिक्षा क्या होती है और इसका क्या महत्त्व है? यह मूलभूत सवाल है जिनके कई आयाम और दृष्टिकोण हो सकते हैं। यही वजह है कि 'शिक्षा' से जुड़े प्रश्न जटिल रूप लेकर हमारे सामने खड़े होते हैं। ऐसी स्थिति में हम शिक्षा को कैसे समझे और इसके

क्या मायने हो सकते हैं? शिक्षा के इन्हीं कुछ पहलुओं पर मंथन करने के लिए यह वेबिनार आयोजित किया गया। ये वेबिनार सीरीज शिक्षा से जुड़े विभिन्न मसलों पर शिक्षाशास्त्र के विद्यार्थी, शिक्षक–प्रशिक्षक, जमीनी स्तर पर काम करने वाले व्यक्ति, शिक्षक शिक्षा संस्थान और उसके फैकल्टी सदस्यों के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस वेबिनार सीरीज के अंतर्गत महीने में दो बार वेबिनार आयोजित किए जाएंगे।

स्मार्ट डिवायस पर वार्ता

दिनांक, 1 सितंबर, 2023। महाविद्यालय में शिक्षा में नवाचार, तकनीकी तथा विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता जेना उमेश और डॉली भसीन थे।

इस चर्चा में नीदरलैंड में समावेशी शिक्षा पर कार्य कर रहे उमेश कुमार ने बताया कि वर्तमान में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले विद्यार्थियों के लिए तकनीकी किस प्रकार से सहायक हो सकती है विद्यार्थियों के ज्ञान हस्तांतरण को सरल बनाने में विशेषज्ञ विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों के साथ काम करना, प्रौद्योगिकी के उपयोग से शैक्षिक अवधारणाओं को समृद्ध करना कक्षा में पेशेवर विशेषज्ञों को आमंत्रित करके शैक्षिक अवधारणाओं को और अधिक यथार्थवादी बनाना, सीखने के लिए एक सुरक्षित और सामंजस्यपूर्ण वातावरण बनाना, जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए।

दूसरे वक्ता एसपीएच कंसल्टेंसी एंड ईसर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की मैनेजिंग डायरेक्टर डॉली भसीन ने ज्ञान को बड़े पैमाने पर नए सीखने के माहौल, इनोवेटर्स के लिए एक प्लेटफार्म–स्मार्टएज के बारे में जानकारी दी।

'शिक्षा और जेण्डर' पर वेबिनार

दिनांक, 2 सितंबर, 2023। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की और से शिक्षक, शिक्षण और शिक्षक–शिक्षा की अवधारण विषय पर बेबिनार हुआ। वक्ता लेडी श्रीराम कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय की स्मृति शर्मा थीं। इसी प्रकार 16 सितंबर को शिक्षा और जेण्डर विषय पर वेबिनार हुआ। प्रमुख वक्ता बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी की मधु कुश्वाहा थीं। 30 सितंबर को आयोजित वेबिनार में अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की निशा बुलोटिया ने सीखनाः विविध आयाम पर वार्ता दी।

बीएड. ओरिएंटेशन

दिनांक, 4 सितंबर, 2023। बी.एड. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम 7 दिन तक चला जिसमें विद्यार्थियों को विभिन्न प्रश्न पत्र एवं सत्र पर्यन्त आयोजित होने वाली गतिविधियों से अवगत करवाया गया।

रिसर्च वर्कशॉप

दिनांक, 4 सितंबर, 2023। महाविद्यालय में एम. एड. एवं पीएच.डी. के विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय रिसर्च वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यशाला का आयोजन शोध पर्यवेक्षकों एवं शोधार्थियों में शोध की बेहतर समझ विकसित करने के लिए था। विषय 'स्टेप्स ऑफ टूल कंस्ट्रक्शन इन एज्यूकेशनल रिसर्च' था। विशेषज्ञ प्रो. प्रवीण दोशी थे।

स्नातक परिषद् की कार्यकारिणी का गठन

दिनांक, 10 सितंबर, 2023। महाविद्यालय में स्नातक परिषद् की वार्षिक बैठक हुई। बैठक में 55 से भी अधिक स्नातक सदस्य एकत्रित हुए। संस्था प्रधान और संरक्षक ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस महाविद्यालय को पूर्व प्राचार्य एवं गुरूजनों से लगातार सीखने के

श्रेष्ठ अनुभव मिलते रहे हैं इसी कारण इस संस्था की 80 वर्षों से साख बनी हुई है। प्रो. दिव्य प्रभा नागर ने नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की। अध्यक्ष कुलदीप सिंह चावला, उपाध्यक्ष ममता मेनारिय, सचिव प्रमोद आमेटा, संयुक्त सचिव सोनल आर्य, कोषाध्यक्ष संदीप व्यास एवं सदस्य मनीषा बागोरा एवं उषा शर्मा बने। वरिष्ठ सदस्य प्रो. एम.पी. शर्मा ने नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई।

सर्टिफिकेट कोर्स में भागीदारी

दिनांक, 12 सितंबर, 2023। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. फरज़ाना इरफान ने नवोदय नेतृत्व संस्थान मावली में आयोजित पांच दिवसीय इग्नू सर्टिफिकेट कोर्स में भाग लिया। उन्होंने लाईफ स्किी डवलेपमेंटः प्रेसेन्टेशन एंड एसेसमेंट ऑफ एसबीए पर दो सत्र लिए।

हिंदी दिवस पर प्रश्नोत्तरी

दिनांक, 14 सितंबर, 2023। महाविद्यालय में भाषा विभाग की ओर से हिंदी दिवस पर वक्तव्य एवं प्रश्नोत्तरी का आयोजन हुआ। प्राचार्य डॉ. फरज़ाना इरफान ने स्वागत उद्‌बोधन में कहा कि प्रत्येक विषय को पढ़ाते समय हम भाषा को कैसे जोड़ पाते हैं यह ध्यान रखना आज की जरूरत है। भाषा विभाग प्रभारी डॉ. संतोष उपाध्याय ने कहा कि हिंदी भाषा भावों की भाषा है। हम जिस भाषा में सोचते, गुनगुनाते हंसते और स्वप्न देखते हैं वही हमारी भाषा होती है। उन्होंने हिंदी दिवस मनाने के उद्‌देश्य बताए एवं हिंदी के संवर्द्धन और संरक्षण की कामना की। डॉ. जयदेव पानेरी ने कहा कि भाषा हमेशा सहज और सरल रूप में होनी चाहिए। अध्यक्षीय उद्‌बोधन में विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने कहा कि महात्मा गांधी यह चाहते थे कि देश के प्रत्येक तबके के लोग शिक्षाा ग्रहण करें इसलिए अंग्रेजी के साथ हिंदी भाषा जनमानस की भाषा होनी चाहिए ताकि केवल कुछ लोग ही आगे न बढ़े बल्कि सभी लोग आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि कोई भी कार्य छोटा नहीं होता। प्रत्येक कार्य महत्त्वपूर्ण होता है चाहे वह मोची का कार्य हो या एक प्रशासक का। उन्होंने भाषा की विविधता पर बल देने की बात कही और कहा कि बच्चा सहज और सरल रूप से भाषा को सीखे। इस मौके पर डॉ. जगदीश चन्द्र आमेटा ने शुद्ध भाषा प्रयोग पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया।

करियर गाईडेंस

दिनांक, 15 सितंबर, 2023। प्रार्थना सभा में 'आत्मविश्वास के साथ करियर कैसे बनाएं' विषय पर योगेश दाधीच ने व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि करियर की भूमिका में आत्मविश्वास का विशिष्ट योगदान रहता है। आत्मविश्वास से हमारे चिंतन का स्तर उच्चतर होता है और उसे सही दिशा भी मिलती है। अपनी वार्ता में उन्होंने स्वयं का उदाहरण देते हुए कहा कि आप भी सामान्य पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हुए भी केवल आत्मबल से ही मन वांछित सफलता पा सकते हैं।

प्रतिभा खोज कार्यक्रम

दिनांक, महाविद्यालय में वर्ष 2023–24 में बी.एड. प्रथम वर्ष के नव प्रवेशित विद्यार्थियों का यूनियन प्रोग्राम के तहत प्रतिभा खोज कार्यक्रम हुआ। बी. एड. प्रथम वर्ष की छात्रा जूही एवं प्रियांशी ने मंच

संचालन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य, देश भक्ति गीत, योगासन, दोहे, भजन, कहानी, कविता, चुटकुले एवं वाद्य यंत्रों पर प्रस्तुती दी।

भूगोल कार्यशाला में भागीदारी

दिनांक, 21 सितंबर, 2023। महाविद्यालय के भूगोल विषय के छात्राध्यापकों ने 'कोम्प्रेहेंडिंग मेप एंड एटलस' विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला विद्या भवन पब्लिक स्कूल में आयोजित की गई।

अख्तर बानो पुरूस्कृत

दिनांक, 23 सितंबर 2023। रमा मेहता ट्रस्ट की ओर से युवा महिलाओं के लिए लेखन को बढ़ावा देने के लिए कहानी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करवाता है। ये प्रतियोगिता हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू एवं राजस्थानी भाषा में होती है। इसी क्रम में महाविद्यालय की व्याख्याता डॉ. अख्तर बानो ने प्रतियोगिता में भाग लिया। उन्हें इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एवं 25 हजार रुपए की राशि इनाम में मिली। उन्होंने उर्दू भाषा में कहानी लिखी थी।

प्रसार वार्ता

दिनांक, 26 सितंबर, 2023। महाविद्यालय में बी. एड. के विद्यार्थियों के लिए व्यक्तित्व विकास एवं साक्षात्कार की तैयारी विषय पर प्रसार वार्ता का आयोजन हुआ। वार्ता जिलेट एवं दैनिक जागरण

की और से हुई। वार्ताकार हरीश हरचंदानी थे। उन्होंने छात्राध्यापकों को बताया कि हमारे व्यक्तित्व विकास में किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए तथा साक्षात्कार की तैयारी कैसे की जानी चाहिए।

आशुभाषण प्रतियोगिता

दिनांक, 28 सितंबर 2023। महाविद्यालय में यूनियन कार्यक्रम के अंतर्गत आशुभाषण प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में बी.एड. प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम विकास कुमार एवं हिमांश वैष्णव रहे। द्वितीय स्थान पर कमलेश कुमार एवं नारायण सुथार तथा तृतीय स्थान पर जूही भटनागर रही। प्रतियोगिता के निर्णायक प्राध्यापक डॉ. सतोष उपाध्याय एवं डॉ. मुकेश कुमार सुखवाल थे। प्रतियोगिता के बाद प्राचार्य डॉ. फरज़ाना इरफान एवं निर्णायक डॉ. संतोष उपाध्याय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रोत्साहित किया।

माइक्रो टिचिंग अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक, 3 अक्टूबर, 2023। महाविद्यालय में बी. एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का अभिविन्यास कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में संकाय सदस्यों ने माइक्रो टिचिंग के विभिन्न कौशलों के सत्र लिए। इनमें माईक्रो टिचिंग की अवधारणा, परिचय कौशल, प्रश्न कौशल, व्याख्या कौशल, प्रोत्साहन कौशन, श्यामपट्ट कौशल शामिल थे।

अभिविन्यास के बाद विद्यार्थियों के अलग–अलग समूह बनाए गए जिनमें उन्होंने संकाय सदस्यों के साथ अभ्यास किया।

रिसर्च मैथोडोलॉजी कार्यशाला

दिनांक, 9 अक्टूबर, 2023। महाविद्यालय में रिसर्च फोरम की ओर से रिसर्च मैथोडोलॉजी पर दो दिवसीय कार्यशाला हुई। कार्यशाला के प्रथम सत्र में वर्द्धमान कोटा खुला विश्व विद्यालय के प्रो. अनिल जैन ने शोध संप्रत्यय अनुसंधान में नैतिकता एवं शोध में चर पर चर्चा की। दूसरे सत्र में उन्होंने पीएच.डी. स्कॉलन द्वारा किए गए अनुसंधानों के अलग–अलग उदाहरण लेते हुए अनुसंधान के उद्देश्य एवं परिकल्पनाओं को स्पष्ट करने का प्रयास किया। तीसरे सत्र में लोकमान तिलक शिक्षक महाविद्यालय, डबोक के पूर्व प्राचार्य प्रो. पी.सी. दोशी ने न्यादर्श एवं न्यादर्श त्रुटि के बारे में बताया। चौथे सत्र में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के प्रो. एस. के. कटारिया ने शोध प्रायोजना एवं प्रतिवेदन लेखन कौशल के विका पर संभागियों के साथ चर्चा की। इससे पूर्व प्रारंभ में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. फरज़ाना इरफान ने अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि विद्या भवन शैक्षिक शोध एवं नवाचार के लिए पहचाना जाता है। अनुसंधान निरंतर सीखने पर ध्यान केन्द्रित करने तथा अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने का एक तरीका है। कार्यशाला के दूसरे दिन प्रो. अनिल जैन ने शिक्षा में अनुसंधान के विभिन्न तरीकों में बातचीत करते हुए गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध को कई उदाहरण देते हुए स्पष्ट करने का प्रयास किया। उन्होंने वर्तमान में शोध में प्रचलित मिश्रित प्रवृत्तियों को भी स्पष्ट करते हुए शोधार्थियों को शोध में इन प्रवृत्तियों को अपनाने पर जोर दिया। प्रो. पी.सी. दोशी ने पेरामट्रिक टेस्ट एवं उनमें अंतर स्पष्ट किया और कहा कि शोध से जुड़े शोधार्थी को सांख्यिकी संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने ब्लैकबोर्ड का उपयोग कर उचित उदाहरण देते हुए जटिल सांख्यिकी को सहज रूप से समझाने का प्रयास किया। तीसरे सत्र में पंजाब विश्वविद्यालय की प्रो. लतिका शर्मा ने सारे शोध कार्य को एक रिपोर्ट में कैसे समेटा जाए इस पर चर्चा करते हुए रिपोर्ट लेखन संबंधी बारीकीयां बताई।

क्रिटिकल पेडागॉजी, बहुभाषी शिक्षण पर वेबिनार

दिनांक, 14 अक्टूबर 2023। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के सान्निध्य में क्रिटिकल पेडागॉजी और बहुभाषी शिक्षण पर वेबिनार हुआ। प्रमुख वक्ता डॉ. बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली की स्कूल ऑफ एजूकेशन स्टडीज की सहायक प्रो. शिवानी नाग थीं। उन्होंने बताया कि क्रिटिकल पेडागॉजी का उत्पीड़न और अन्याय से लड़ने के औजार की तरह शिक्षाशास्त्र की एक धारा के रूप में विकास हुआ। इसके तहत न्यायसंगत, बराबर, और लोकतांत्रिक समाज की नींव को मजबूत करने की कल्पना की जाती है। उन्होंने यह पेडागॉजी कैसे संभव हो पाती है इसमें बच्चों की भाषा को शामिल कर पाने की क्या और क्यों जरूरत है ऐसे तमाम प्रश्नों पर इस संवाद ने रोशनी डालने की कोशिश की।

औषधीय पौधों का रोपण

दिनांक, 14 अक्टूबर 2023। महाविद्यालय में औषधीय पौधों क रोपण किया गया। इसके लिए सर्वप्रथम महाविद्यालय की ब्यूटिफिकेशन टीम ने योजना बना कर औषधीय पौधे मंगवाए और उनके रोपण की जगह तय की। इसके बाद विभिन्न सोसायटी के विद्यार्थियों को अगल–अलग औषधीय पौधे वितरित किए गए। विद्यार्थियों ने

अपनी सोसायटी के अनुसार नियत स्थान पर उन पौधो को रोपा और उनके संरक्षण की जिम्मेदारी ली।

सेकसरियाजी की वर्षगांठ पर पैनल चर्चा

दिनांक, 18 अक्टूबर, 2023। श्री गोविन्द राम सेकसरिया जी के जन्म दिवस के उपलक्ष में विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय में पैनल चर्चा का आयोजन हुआ। इस मौके पर सेकसरिया परिवार के सदस्य नंदकुमार उपस्थित थे उन्होंने सेकसरिया जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर चर्चा की शुरूआत की। पैनल में दीपक बी फाटक, कुणाल बघेला एवं अनुराग प्रियदर्शी थे।

आईआईटी मुंबई के प्रोफेसर एमेरेटस दीपक बी. फाटक ने कहा कि आने वाले समय में नई डीजिटल तकनीकी जीवन का अभिन्न अंग बनने वाली है। इसके लिए शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में इसको जोड़ना होगा। जिससे शिक्षक अपेक्षित भावि पीढ़ी को तैयार कर सके। इसी के साथ शिक्षण संस्थाओं में शिक्षक और विद्यार्थियों के संबंध की प्रगाढ़ता तथा प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमताओं पर विषेश ध्यान देना होगा। भावी पीढ़ी में नैतिकता का विकास करना आज की प्रमुख चुनौति है। इस दिषा में शिक्षण संस्थाओं को पहल करनी होगी। शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर आज की परिस्थिति की लेकर उन्होंने कहा कि जैसे–जैसे देष संपन्न होगा, प्रगति करेगा शिक्षा एवं स्वास्थ्य का भी सुधार होगा। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य के समाजीकरण को जरूरी बताया।

दूसरे वक्ता आर्क गेट के फाउंडर एवं मुख्य संचालक कुणाल बघेला ने गोविन्दराम सेकसरिया के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की विशेषताओं को बताते हुए उनके सादगीपूर्ण विलक्षण व्यक्तित्व, निर्णयक्षमता तथा भविष्योन्मुखी सोच को उनकी सफलता का रहस्य बताया। जो आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने यह भी बताया कि श्री सेकसरिया ने देश में कई शिक्षण संस्थाओं जिनमें विद्या भवन गोविन्दराम शिक्षक महाविद्यालय भी है के साथ–साथ स्वास्थ्य संबंधी संस्थानों को बड़ी मात्रा में आर्थिक सहयोग प्रदान कर समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

विद्या भवन सोसायटी के मुख्य संचालक अनुराग प्रियदर्शी ने वहां उपस्थित शिक्षक विद्यार्थियों से कहा कि हमें गोविन्दराम सेकसरिया जी के विराट व्यक्तित्व से तीन महत्त्वपूर्ण चीजें सीखनी चाहिए पहला उनकी सोच हमेशा समय से आगे रहती थी, दूसरा उनकी रिस्क लेने की क्षमता और तीसरा उनकी नई चीजों को जानने की इच्छा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को अच्छी शिक्षा मिलनी चाहिए ताकि वे स्कूलों में अच्छी शिक्षा दे सके यह गोविन्दराम जी ने उस समय देख लिया इसलिए उन्होंने मदद की। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों उनकी प्राथमिकता थी। उनकी सोच थी कि जब तक महिलाओं को पुरुषों के बराबर शिक्षा नहीं मिलेगी समाज आगे नहीं बढ़ पाएगा।

इससे पूर्व प्रारंभ में अपने ऑनलाईन उद्‌बोधन में गोविन्दराम सेकसरियाजी पर लिखी पुस्तक के लेखक मेहनाज मर्चेंट ने श्री गोविन्दराम सेकसरियाजी के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता से पूर्व ही देश के विकास में वाणिज्य शिक्षा के महत्त्व का आकलन करते हुए वर्धा में देश के प्रथम कॉमर्स कॉलेज की स्थापना में महत्त्वपूर्ण आर्थिक योगदान दिया। मेहनाज ने बताया कि कॉटन किंग के रूप में उन्होंने अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशेष पहचान बनाई। इस मौके पर भाषा विभाग की पुस्तक 'सृजन' एवं डॉ. विद्या मेनारिया की पुस्तक 'अंतराष्ट्रीय संबंध' का विमोचन भी हुआ।

शिक्षक शिक्षा में कला एवं संस्कृति का समेकन

दिनांक, 28 अक्टूबर, 2023। महाविद्यालय में 'शिक्षक शिक्षा में कला एवं संस्कृति का समेकन' विषयक तीन दिवसीय कार्यशाला प्रारंभ हुई। कार्यशाल में बी.एड. के विद्यार्थी संगीत, नाटक, मूकाभिनय, आर्ट एवं क्राफ्ट से संबंधित कलाओं को सीखा।

मुख्य वार्ताकार महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. एम.पी. शर्मा ने कला शिक्षा के संदर्भ में नई शिक्षा नीति 2020 में बताए गए प्रमुख पक्षों को विद्यार्थियों के सामने रखा। इस मौके पर मुख्य अतिथि विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने कहा कि कला संस्कृति के माध्यम से हम दूसरों को पहचान सकते हैं। उन्होंने आज के संदर्भ की वैश्विक स्थिति का हवाला देते हुए कहा कि हम एक दूसरे की संस्कृति का दुरुपयोग कर रहे हैं। यह एक तरह की संकीर्णता है। हम जिस धर्म के बारे में नहीं जानते उसके बारे में हमें समझ बनानी चाहिए। हम दूसरों को पहचानें उन्हें समझे यही लक्ष्य इस कार्यशाला का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक हम कला के बारे में समझ नहीं बनाएंगे हमारा चरित्र महान नहीं बनेगा।

उद्घाटन सत्र के बाद द्वितीय सत्र में संगीतज्ञ डॉ. प्रेम भण्डारी ने शिक्षा में संगीत के महत्त्व पर विद्यार्थियों के साथ चर्चा की। उन्होंने कहा कि संगीत और खेल हमें अनुशासन और जीवन जीने का तरीका सीखाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को संगीत से जुड़ने और स्कूल में बच्चों को भी संगीत से जोड़ने को कहा। उन्होंने विद्यार्थियों को तीन गीत भी सिखाए। दोपहर में मूकाभिनय,

नाटक एवं आर्ट एवं क्राफ्ट के अलग–अलग सत्रों में प्रसिद्ध कलाविद् विलास जानवे एवं किरण जानवे, नाटक में भारतीय लोक कला मण्डल के निदेशक डॉ. लईक हुसैन एवं आर्ट एवं क्राफ्ट में प्रवीणा जैन, नीलोफर मुनीर एवं बीना लौहार मुख्य विशेषज्ञ थे। उन्होंने विद्यार्थियों को मूकाभिनय, नाटक एवं कॉलार्ज क्ले एवं पेपर कटिंग से संबंधित बारीकियां बताई।

दूसरा दिन अभिनेता दर्शकों के फिडबैक के बाद अपने को बदलता है और दर्शको को देख कर ही पेश आता है। यही काम अध्यापक विद्यार्थियों के साथ करता है। दोनों एक ही पेशे से जुड़े हैं बस हमें समझने की जरूरत है। यह बात भारतीय लोक कला मण्डल के निदेशक डॉ. लईक हुसैन ने कही। उन्होंने कहा कि अभिनेता की तरह ही यदि अध्यापक का संचार कौशल अच्छा होगा तो उस अध्यापक को सभी विद्यार्थी ध्यान से सुनेंगे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी कक्षा में अध्यापक की बात सुनने के लिए लालायित रहे इसके लिए अध्यापक की अपने विषय पर पकड़ अच्छी होने के साथ पढ़ाने के दौरान बच्चो

से बातचीत करने, उदाहरण देने, कहानी सुना कर विषय को आसान बनाने का प्रयास करना होगा। इससे शिक्षण और मजेदार हो जाएगा। कार्यशाला के दूसरे दिन थिएटर के साथ ही मूकाभिनय, क्राफ्ट, संगीत और नृत्य के सत्र हुए जिनमें पहले विद्यार्थियों ने बड़े समूह में तथा उसके बाद छोटे समूह में अपनी रुचि के अनुसार भाग लिया और इन गतिविधियों को सीखा। डॉ. प्रेम भण्डारी ने हिन्दी, उर्दू, भोजपुरी और पंजाबी गीत सिखाए। डॉ. विलास जानवे ने मूकाभिनय तथा लईक हुसैन ने नाटक सिखाया।

अनुरूपित शिक्षण का अभिविन्यास

दिनांक, 30 अक्टूर 2023। बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का अनुरूपित शिक्षण प्रारंभ होने से पूर्व अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संकाय सदस्यों ने इकाई योजना, पाठ योजना एवं उनके विभिन्न अवयवों पर चर्चा की। फिर विद्यार्थियों के विषयवार समूह बनाएं गए और उन समूहों में पाठ योजना पर चर्चा की गई।

इकाई परीक्षण प्रारंभ

दिनांक, 31 अक्टूबर 2023। बी.एड. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों का प्रथम इकाई परीक्षण प्रारंभ हुआ। परीक्षण पांच दिन तथा दो पारियों में चला। पहली पारी में अनिवार्य विषयों की तथा दूसरी पारी में शिक्षण विषयों के परीक्षण हुए। परीक्षण में एक–एक इकाइयों को शामिल किया गया ताकि विद्यार्थियों की विश्वविद्यालयी परीक्षाओं की तैयारी हो सके।

कल्चर एक्सचेंज पर चर्चा

दिनांक, 21 अक्टूबर, 2023। प्रिंस्टन विश्व विद्यालय के इंटर्न महाविद्यालय में आए। उनके साथ मुख्य संचालक अनुराग प्रियदर्शी भी थे। इंटर्न के साथ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. फरज़ाना इरफान के साथ कल्चर एक्सचेंज पर चर्चा हुई। प्राचार्य ने तलाक, खुला, हलाला, निकाह आदि में महिला के अधिकारों के बारे में बताया। उनके साथ जेहाद का मायना क्या है इस पर भी चर्चा हुई। चर्चा की शुरुआत इस्लाम का उदय कैसे हुआ इसके साथ हुई।

उपकरण निर्माण कार्यशाला

दिनांक, 21 अक्टूबर, 2023। महाविद्यालय के यूजीसी हॉल में संकाय सदस्यों के साथ कच्ची बस्तियों में किए जाने वाले सर्वे के संदर्भ में शोध उपकरण तैयार किया गया। संकाय सदस्यों से फिडबैक लेते हुए शोध उपकरण को अंतिम रूप दिया गया।

रचनावाद पर वेबिनार

दिनांक, 4 नवंबर, 2023। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के सान्निध्य में बच्चे कैसे सीखते हैं? रचनावाद से एक परिचय' विषय पर वेबिनार हुआ। प्रमुख वक्ता शिक्षाविद् प्रो. साधना सक्सेना थीं। इसका दूसरा भाग 18 नवंबर को हुआ।

विकलांगता जागरूकता अभियान

दिनांक, 30 नवंबर, 2023। महाविद्यालय में अभिलाषा विद्यालय के सिग्नेचर कैम्पेन के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य स्मावेशी विकास के लिए एक सुलभ और न्याय संगत दुनिया को बढ़ावा देने के लिए विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को मुख्य धारा से जोड़ने तथा उनसे संबंधित विभिन्न मुद्दों के प्रति समझ विकसित करना था। विद्यालय की विशेष प्रशिक्षक जसवीर कौर ने कहा कि विकलांगता वास्तव में कोई समस्या नहीं है बल्कि यह हमारी सोच में आ गई है। अतः हमारे दृष्टिकोण में परिवर्तन करना जरूरी होगा। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. फरज़ाना इरफान ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत अभिलाषा विद्यालय के विशेष आवश्यकता प्रशिक्षित अध्यापक तथा विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के छात्राध्यापकों एवं संकाय सदस्यों के साथ संवाद स्थापित कर रोजमर्रा के निर्देशों एवं अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षरों की सांकेतिक भाषा से अवगत

करवाया। छात्राध्यापकों ने अभिलाषा विद्यालय की वेन पर लगे केन्वास पर हस्ताक्षर किए तथा अपने संदेश दिए। इस मौके पर अभिलाषा विद्यालय की उप प्राचार्य शमा परवीन भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्राध्यापकों एवं संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

'नेक' अभिविन्यास बैठक

दिनांक, 1 दिसंबर, 2023। महाविद्यालय की आईक्यूएसी विभाग की ओर से 'नेक' अभिविन्यास बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर वर्द्धमान कोटा खुला विश्वविद्यालय के प्रो. अनिल जैन ने संकाय सदस्यों को 'नेक' के लिए मॉड्यूल के सभी क्षेत्रों से परिचित करवाया। उन्होंने विभिन्न सात क्षेत्रों में अपना–अपना पक्ष तैयार करने के निर्देश दिए। इसी संदर्भ में अगली बैठक 22 नवंबर को हुई। इसमें संकाय सदस्यों ने अपने क्षेत्रों का प्रस्तुतीकरण दिया तथा प्रत्येक क्षेत्र की तैयारी के बारे में चर्चा की।

ज्ञान की उत्पादकता पर शैक्षिक वेबिनार

दिनांक, 2 दिसंबर, 2023। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय बैंगलोर और विद्या भवन गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय उदयपुर के सयुक्त तत्वावधान में वेबिनार सीरीज आयोजित की जा रही है। इस सीरीज के तहत अब तक 8 वेबिनार आयोजित किए जा चुके हैं। इस क्रम में आज आठवा वेबीनार ''ज्ञान की उत्पादकता और उत्पादकता का ज्ञान'' विषय पर आयोजित किया गया। इस वेबिनार के मुख्य वक्ता डॉ हरिसिंह केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर, मध्यप्रदेश के डॉ संजय शर्मा रहे। आपने चर्चा में बताया कि ज्ञान शब्द की व्याख्या अनंत और अथाह है। ज्ञान की समझ के अनुसार बच्चे ज्ञान के निर्माता होते हैं। आपने दैनिक जीवन में ज्ञान के उपयोग के साथ ही कला , भाषा , गणित , विज्ञान सामान्य ज्ञान जैसे विषयों में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान के प्रयोगों संबंधित बात की। इस वेबिनार में, इस विषय के विभिन्न संदर्भों– वैश्विक, ऐतिहासिक, तकनीकीपरक, नीतिपरक, पर्यावरणीय, शैक्षिक, वैचारिक दृष्टिकोण पर गहन चर्चा की गई। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. फरजाना इरफान ने इस तरह के वेबिनार के सफल आयोजन की बधाई देते हुए बताया कि ये शिक्षक और विद्यार्थियों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। महाविद्यालय की व्याख्याता डॉ विद्या मेनारिया द्वारा इस वेबिनार का संचालन किया गया।

आहड़ सभ्यता का शैक्षिक भ्रमण

दिनांक, 9 दिसंबर, 2023। स्थानीय इतिहास को जानने एवं समझने का मुख्य संसाधन पर्यटन अथवा भ्रमण है। छात्रों को इतिहास सदैव कक्षा के बंद वातावरण में नहीं पढ़ाया जाना चाहिए। बल्कि जहां इतिहास घटा है विकसित हुआ है वहां से उसे सीखने के अवसर देना चाहिए। यह बात स्थानीय इतिहास के लिए के लिए और भी उपयुक्त है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर बी.एड. प्रथमवर्ष के विद्यार्थियों के लिए स्थानीय विरासत प्राचीन ताम्र नगरी भ्रमण की योजना बनाई गई। योजना के तहत इतिहास विषय के 25 विद्यार्थियों ने दिनांक 9 दिसंबर को आहड़ सभ्यता का भ्रमण किया। जिसमें उन्होंने तांबे के औजार, बर्तन, मोहरें, जानवरों के कंकाल, धान

की खेती के अवशेष, मनके, उपकरण, आदि का अवलोकन किया। इसी आधार पर विद्यार्थियों ने टीएलएम कार्यशाला में आहड़ सभ्यता का मॉडल बनाकर अपने कौशल का प्रदर्शन किया।

दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ अन्तःक्रिया

दिनांक, 9 दिसंबर, 2023। महाविद्यालय के इतिहास विभाग के बीएड प्रथम वर्ष के 25 विद्यार्थियों ने शिक्षकों के मार्गदर्शन में विशिष्ट विद्यालय का अवलोकन किया। मानसिक रूप से विमंदित दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु केन्द्र प्रवर्तित योजनान्तर्गत संचालित पं. खेमराज राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, आहड़ गए। वहां विद्यार्थियों के साथ खेल, पेंटिंग व संगीत की गतिविधियों का संचालन किया। गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को पेंसिल, स्केच कलर, चॉकलेट, ज्यामिति बॉक्स आदि वितरित कर प्रोत्साहित किया।

फायरलेस फूड प्रतियोगिता

दिनांक, 4 दिसंबर, 2023। विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय में यूनियन कार्यक्रम के अंतर्गत फायरलेस फूड प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. फरज़ाना इरफान ने किया। प्रतियोगिता में 100 विद्यार्थियों ने परिषदवार भाग लेकर विभिन्न व्यंजन बनाएं। इसमें पनीर लड्डू, पीनट पुडिंग, खाखरा विज्जा, फ्रूट क्रिम, श्रीखण्ड, पानी एवं छाछ पूरी, वेज सेण्डविच, रायता फ्रूट सलाद आदि बनाए। प्रतियोगिता के निर्णायक विद्या भवन सोसायटी की एच.आर. रुचिकरण, एसिस्टेंट एच.आर. कहकशां तथा महाविद्यालय की लेखाकार अंकिता व्यास थीं। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राजनीति विज्ञान परिषद, द्वितीय स्थान भूगोल एवं हिंदी परिषद तथा तृतीय स्थान सामाजिक विज्ञान परिषद ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन यूनियन कार्यक्रम समिति की डॉ. प्रिती गहलोत, बीना लौहार, उषा पानेरी तथा कुमकुम सालवी ने किया।

प्रियांशी और आशिष चैंपियन

दिनांक, 15 दिसंबर 2023। 18 नवम्बर को प्रारंभ हुई बैडमिंटन प्रतियोगिता में 48 पुरुष और 13 महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया। फैकल्टी मेम्बर्स और विद्यार्थियों की सम्मिलित इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर 63 मैच हुए। विजयी होने वाले खिलाडियों के नाम इस प्रकार है महिला वर्ग प्रियांशी वर्मा प्रथम, गनिष्ठा शर्मा द्वितीय तथा दया सुथार तृतीय रही। पुरुष वर्ग में आशीष मीणा प्रथम, प्रकाश राठौड़ द्वितीय तथा सूर्यभान सिंह तृतीय रहे। फाइनल मैच के दिन मुख्य अतिथि प्रो. हृदयकांत दीवान और प्रो. सुषमा तलेसरा (पूर्व प्राचार्य) थे। संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों की उपस्थिति में हुए निर्णायक मैच बड़े रोचक रहे। अतिथियों का स्वागत और

परिचय प्राचार्य डॉ. फरज़ाना इरफान ने किया। प्रो. दीवान ने पुरुष वर्ग के विजेता आशीष मीणा के साथ एक फ्रेंडली मैच भी खेला। अंत में खेल विभाग के समन्वयक डॉ. मालचंद काला ने धन्यवाद ज्ञापित कर अतिथियों द्वारा विजेताओं को पुरुस्कृत किया गया।

सिटी पैलेस संग्रहालय का भ्रमण

दिनांक, 16 दिसंबर, 2023। महाविद्यालय के इतिहास परिषद् के 19 विद्यार्थियों ने सिटी पैलेस संग्रहालय का भ्रमण किया। इतिहास शिक्षण शास्त्र में स्थानीय इतिहास विरासत, कला एवं संस्कृति तथा एनसीएफ 2023 के उदद्श्यों को ध्यान महाविद्यालय के इतिहास विषय के अध्यायपकों एवं विद्यार्थियों ने मेवाड़ के प्रमुख राजाओ उनकी उपलब्धियों, उनके हथियारों, एवं कला एवं संस्कृति से जुड़े हुए प्रमुख कलाकृतियों का अवलोकन किया।

श्रमदान

दिनांक, 16 दिसंबर, 2023। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने महाविद्यालय में श्रमदान किया। विभिन्न सोसायटी को महाविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रों को आबंटित किया गया। इनमें कमरा नंबर 18 के सामाने गेट तक, कमरा नंबर 27 व 28 के सामने, गर्ल्स हॉस्टल के बाहर, सामाजिक विज्ञान एवं विज्ञान प्रयोगशाला के बाहर, कमरा नंबर 1 से पुस्तकालय तक, गार्डन, आईसीटी लेब से पार्किंग तक, यूजीसी हॉल के बाहर एवं बॉयज हॉस्टल से चाय के ठेले तक का क्षेत्र शामिल था। विद्यार्थियों के साथ सोसायटी सुपरवाईजर ने भी हाथ बंटाया।

स्कूल पाठयक्रम की अवधारणा पर वेबिनार

दिनांक, 16 दिसंबर, 2023। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय बैंगलोर और विद्या भवन गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय उदयपुर के सयुक्त तत्वावधान में वेबिनार सीरीज आयोजित की जा रही है। इस सीरीज के तहत अब तक 9 वेबिनार आयोजित किए जा चुके हैं। इस क्रम में वेबिनार ''दक्षिण एशिया में स्कूल पाठयक्रम की अवधारणा'' विषय पर आयोजित किया गया। इस वेबिनार की मुख्य वक्ता अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली की डॉ गुंजन शर्मा थीं। आपने चर्चा में पाठयक्रम शब्द की विस्तार से व्याख्या की, साथ ही दैनिक जीवन में इसके सामान्य सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान के प्रयोगों संबंधित बात की। उन्होंने बताया कि शिक्षण में सीखने की पद्धति और पाठ्यक्रम के ज्ञान और इनसे जुड़े विमर्शों को समझना जरूरी है। इस वेबिनार में, भारत , बांग्लादेश , पाकिस्तान की शिक्षा व्यवस्था और पाठ्यक्रम संबंधित तुलनात्मक समीक्षा की गई । इस विषय के विभिन्न संदर्भों – वैश्विक, ऐतिहासिक, तकनीकीपरक, नीतिपरक, पर्यावरणीय, शैक्षिक, वैचारिक दृष्टिकोण पर गहन चर्चा की गई। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. फरज़ाना इरफान ने इस तरह के वेबिनार के सफल आयोजन की बधाई देते हुए बताया कि वर्तमान विदेशी संबंधो के संदर्भ में इस तरह के वेबिनार शिक्षक और विद्यार्थियों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। महाविद्यालय की व्याख्याता डॉ. विद्या मेनारिया द्वारा इस वेबिनार का संचालन किया।

सेसायटी दिवस मनाया

दिनांक, 16 दिसंबर, 2023। महाविद्यालय के शोध प्रभाग के तत्वावधान में दिनांक को सोसायटी दिवस का आयोजन किया गया। इसमें सोसायटीवार उदयपुर शहर की विभिन्न कच्ची बस्तियों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति एवं शिक्षा संप्राप्ति की चुनौतियां विषय पर सामाजिक सर्वेक्षण किया गया। इस सामाजिक सर्वेक्षण में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी–अपनी सोसायटी को आबंटित कच्ची बस्ती में जाकर इस सर्वेक्षण में सहभागिता प्रदान की। इन विद्यार्थियों ने इन बस्तियों में जाकर वहां के परिवारों से संपर्क किया तथा उससे उनकी सामाजिक–आर्थिक स्थिति और शिक्षा प्राप्त करने

में आने वाली चुनौतियों का पता लगाया। इसके साथ ही यह विद्यार्थी इन कच्ची बस्तियों के निकटस्थ विद्यालय गए। जहां इन्होंने इन बस्तियों के विद्यार्थियों की शिक्षा संप्राप्ति की चुनौतियों का पता लगाया।

स्वयं की समझ पर कार्यशाला

दिनांक, 18 दिसंबर, 2023। स्वयं की समझ की कार्यशाला में प्राचार्य डॉ. फरज़ाना इरफान ने कहा कि ज्ञान वह शक्ति है जो आप में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और किरदार विकसित करती है अगर आपका आज बीते हुए कल से बेहतर नहीं है तो वह ज्ञान बेकार है! स्वयं के संदर्भ में जो ज्ञान है वह नाम, परिवार, जाति, धर्म और हमारी आकांक्षाओं तक सीमित नहीं है यही वास्तव में हम नहीं है हमारा "स्वयं" है इससे कहीं आगे है। मोटे तौर पर समझे तो हमारा स्वयं हमारे शरीर, बुद्धि, संवेग और आध्यात्मिकता का कॉन्बिनेशन है। अगर हम हमारे इन चारों पक्षों पर कार्य करें तो हम एक कामयाब खुशहाल इंसान बन सकते हैं। अगर हमारा शरीर स्वस्थ है तो हम शेष तीनों पक्षों को बेहतर कर सकते हैं। इसके लिए हमें हमारे खान–पान, व्यायाम और सोने के तरीकों पर ध्यान देना होगा। यदि हम कचरा खाते हैं, हमारा सोने का तरीका सही नहीं है तो वह हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को सपोर्ट नहीं करेगा। हमारा दूसरा पक्ष बुद्धि है जिसमें ज्ञान कौशल और अभिवृत्ति सम्मिलित है। यह प्रकृति से डायनेमिक है यह या तो काम होता जाता है या फिर बढ़ता जाता है हर वक्त कुछ ना कुछ नया सीखते रहने से हमारा बौद्धिक विकास होता है। तीसरा पक्ष संवेगात्मक है जिसका संबंध इस बात से है कि हम अपनी फीलिंग को कितना समझ रहे हैं दूसरे को कितना समझ पा रहे हैं इसके लिए प्रशंसा, इनाम और कृतज्ञता को समझना होगा हमारी भावनाएं हमारे विचारों की छाया है अगर हमारा विचार पॉजिटिव है तो प्रेम, प्रशंसा, कृतज्ञता आदि के भाव होंगे और हम भावात्मक रूप से मजबूत होगें। हमारी भावात्मक बुद्धिमता हमारे विचारों और व्यवहारों को जोड़ने का काम करती है। और यह हमारे रिलेशनशिप और सोशल इंटरेक्शन को निर्धारित करता है। चौथा पक्ष आध्यात्मिकता है जिसका सीधा संबंध जीवन के उद्देश्य से है हम जो कुछ भी कर रहे हैं क्यों कर रहे हैं? क्या यह सही है? गलत क्या है?

अगर आपकी सोच है कि जो कुछ भी मैंने प्राप्त किया है उसमें आपकी खुद के अलावा दूसरों का भी हिस्सा है तो फिर आपका आध्यात्मिकता का स्तर ऊंचा होगा हमारा जो भी जीवन का उद्देश्य हो उसके बेनिफिशियरी आपके अलावा और भी होने चाहिए तभी समाज आगे बढ़ेगा।

इंटर्नशिप अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक, 18 दिसंबर, 2023। महाविद्यालय के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों का इंटर्नशिप अभिविन्यास कार्यक्रम हुआ। इसमें विभिन्न सत्रों का आयोजन हुआ जिसमें प्रो. सुषमा तलेसरा ने स्वयं की समझ पर विद्यार्थियों के साथ चर्चा की। इसके पश्चात डॉ. फरजाना, डॉ. मालचंद काला, डॉ. खीमाराम कॉक, डॉ. संतोष उपाध्याय, डॉ. प्रीति गहलोत ने लघु पाठ योजना, इंटर्नशीप उद्देश्य एवं रूपरेखा, दस्तावेज संधारण एवं प्रतिवेदन लेखन तथा साहित्यिक, सांस्कृतिक गतिविधियों पर चर्चा की। भोजनावकाश के बाद इंटर्नशिप आबंटन पत्र जमा कराना एवं रिलीविंग ऑर्डर एवं डायरियां वितरित की गई।

विज्ञान सोसायटी का शैक्षिक भ्रमण

दिनांक, 19 दिसंबर, 2023। महाविद्यालय की विज्ञान 'अ' सोसायटी के विद्यार्थी अपने सुपरवाईजर डॉ. विभा देवपुरा एवं चिराग घुप्पा के साथ सांवरियाजी एवं चित्तौड़गढ़ दुर्ग गए।

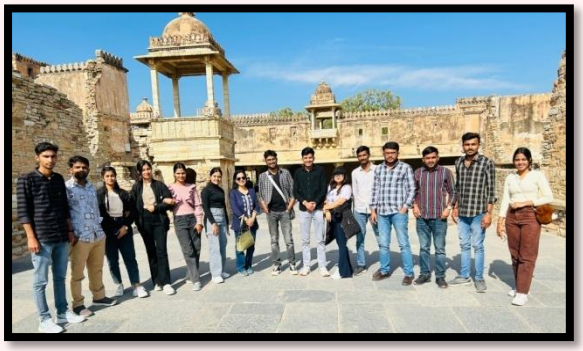

वहां उन्हों सांवरियाजी मंदिर एवं चित्तौड़गढ़ दुर्ग का इतिहास पता किया।

किले पर उन्होंने कुंभा महल, पद्मनी महल, विजय स्तंभ, कीर्ति स्तंभ, जौहर कुंड, जैन मंदिर आदि का अवलोकन किया। किले पर विद्यार्थियों ने वहां की वनस्पति का भी अध्ययन किया और पाया कि अधिकांश वनस्पति सीताफल एवं चंपा की थी। उन्होंने वहां की मिट्टी की प्रकृति एवं विशेषताओं के बारे में भी जाना। इस भ्रमण के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह भी सीखा कि किस तरह से शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया जाता है। जब ये विद्यार्थी अध्यापक बन कर स्कूल में जाएंगे तो वहां इस तरह का भ्रमण आयोजित कर सकेंगे।

शिक्षण अधिगम सामग्री प्रदर्शनी

दिनांक, 23 दिसंबर, 2023। महाविद्यालय में शिक्षण अधिगम समाग्री की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने 35 मॉडल और 45 चार्ट बनाए। सभी मॉडल और चार्ट बहुत आकर्षक, विचारोत्तेजक, लो कोस्ट थे। इनको विद्यार्थियों ने अलग–अलग समूह में मिल कर 10 दिन की कार्यशाला में तैयार किया जिससे न केवल विषय वस्तु सम्बन्धित अधिगम उद्देश्यों की प्राप्ति हुई बल्कि प्रक्रियात्मक उद्देश्यों जैसे विचारों को साझा करना, निर्णय लेना मिलकर काम करना, बजट बनाना, सामग्री जुटाना, एक दूसरे की सहायता करना आदि सीखा। इस प्रर्दशनी में प्रो. डी.एन. दानी, प्रो. एम. पी. शर्मा, प्रो. अनिल जैन विद्या भवन जी. आई. एस. की प्राचार्य डॉ. भगवती अहीर, डॉ. सुयश चतुर्वेदी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। विद्या भवन की संस्थाओं के अध्यापकों, अभिलाषा विद्यालय के स्टाफ तथा महाविद्यालय के पूर्व छात्राध्यापकों ने भी प्रर्दशनी का अवलोकन किया।

पुस्तकालय डिजिटिलाइजेशन

दिनांक, 30 दिसंबर, 2023। डिजिटिलाइजेशन पुस्तकालय एक प्रकार का ऑनलाईन पुस्तकालय है। इसमें लोग इंटरनेट के माध्यम से अपने घरों में बैठकर हर प्रकार की पुस्तक को आसानी से पढ़ सकते हैं। डिजिटल पुस्तकालय में दस्तावेजों को सॉफ्ट कॉपी में पी.डी.एफ. फार्मेट में पढ़ा जाता है। महाविद्यालय की डिजिटल पुस्तकालय की कार्ययोजना के तहत विभिन्न पुस्तकों एवं दस्तावेजों का डिजिटिलाइजेशन किया जाना है। 31 दिसंबर तक 8 पुस्तकों को स्केन कर उनको डिजिटल फार्मेट में तैयार किया जा चुका है। आने वाले समय में पुस्तकालय के संपूर्ण डिजिटल फार्म में करने की योजना है। पुस्तकालय डीजिटिलाइजेशन के लिए सेकसरिया फाउण्डेशन से वित्तीय सहयोग मिला है। इसके तहत एक स्केनर एवं लेपटोप खरीदा गया है। स्केनर की सहायता से पुस्तकालय की पुस्तकों को स्केन किया जाएगा।